UG 2nd Semester Examination 2024
Award: B.A
Discipline : HINDI
Course Type: MINOR
Course Code: BAHINNMN201
Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Full Marks-70 Time-3hours

1.निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1X5=5

क.'विद्यापति पदावली' के संपादक कौन है ?
ख.'घनानंद-कवित्त' की रचना किस भाषा मे हुई हैं ?
ग.'अष्टछाप' में कितने कवि है ?
घ.'कवितावली' के रचनाकार कौन है ?
ङ.मीराबाई के पति का नाम क्या था ?
च.'बीजक' कितने भागों में विभक्त है ?
छ.कवि भूषण की काव्य भाषा क्या है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 2X10=20

क. 'लोकवादी तुलसीदास'और 'रीति काव्य की भूमिका' पुस्तकों के प्रकाशक कौन हैं ?
ख. घनानंद की दो कृतियों के नाम लिखिए।
ग .'अष्टछाप' के दो कवियों के नाम लिखिए।
घ.विद्यापति किस राज्य से सम्बंधित कवि थे ? उनकी जन्म तिथि लिखिए।
ङ सूरदास ने निर्गुण भक्ति को 'गूँगे के मुँह में गुड़' जैसा क्यों कहा है ?
च.घनानंद के अनुसार प्रेम का मार्ग सीधा क्यों है ?
छ.पद्माकर की दो रचनाओं के नाम लिखिए।
ज.मीराबाई पर केन्द्रित दो आलोचनात्मक पुस्तकों के नाम लिखिए।
झ.ज्ञानमार्गी और प्रेममार्गी शाखा के दो अंतरों को लिखिए।
ञ. तुलसीदास के समकालीन किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।
ट.'मधुपुर मोहन गेल रे,मोरा बिदरत छाती'-यह पंक्ति किसे समर्पित है ?
ठ.'भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य' नामक पुस्तक के लेखक और प्रकाशक का नाम लिखिए ?
ड.पुष्टिमार्ग का आशय स्पष्ट कीजिए ?
ढ. कबीर के काव्य में किस प्रकार का विद्रोह दिखता है ?

375

https://www.knuonline.com

3.किन्हीं पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5X5=25

क. "निर्गुन कौन देस को वासी ?
मधुकर! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति, साँच, न हाँसी ॥
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी ?
कैसो बरन, भेस है कैसो केहि रस कै अभिलासी ॥
पावैगो पुनि कियो अपनो जो रे! कहैगो गाँसी ॥
सुनत कौन ह्वै रह्यो ठग्यो सो, सूर सबै मति नासी ॥"

ख. "या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई।
ज्यौ ज्यौं बूड़ै स्याम रँग, त्यौं त्यौं उज्जलु होई॥"

ग. "सुनु रसिया,आब न बजाउ बिपिन बँसिया ।
बेरि बेरि चरणार्विंद गहि,सदा रहब बनि दसिया ।
कि छलहुँ कि होएब से नहीं जानह;वृथा होएल कुल हँसिया ।
अनुभव ऐसन मदन भुजंगम,हृदय मोर गेल डँसिया ।
नंद-नंदन तुअ सरन न त्यागब,बरू जग होए दुरजसिआ ।
विद्यापति कह सुनु बनितामनि,तोर मुख जीतल ससिआ ।
धन्य धन्य तोर भाग गोआरिनि,हरि भजु हृदय हुलसिआ ।"

घ. "धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहू की बेटी सों, बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ ।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको, रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोईबो, लैबो को, एकु न दैबे को दोऊ ॥"

ङ. "राम-नाम-रस पीजै।
मनवा! राम-नाम-रस पीजै।
तजि कुसंग सतसंग बैठि नित, हरि-चर्चा सुणि लीजै।
काम क्रोध मद मोह लोभ कूं, चित से बाहय दीजै।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, ता के रंग में भीजै।"

च. "साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि,
सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है ।
'भूषण' भनत नाद विहद नगारन के,
नदी नद मद गैबरन के रलत है ॥
ऐल फैल खैल-भैल खलक में गैल गैल,
गजन की ठेल पेल सैल उसलत है ।

https://www.knuonline.com

तारा सो तरनि धूरि धारा में लगत जिमि,
थारा पर पारा पारावार यों हलत है।"

छ. "अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ झझकें कपटी जे निसांक नहीं।
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तें दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटांक नहीं॥"

4. निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **2X10=20**

क. गीतिकाव्य की दृष्टि से मीराबाई के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
ख. सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
ग. रहीम के नीतिपरक दोहों की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

https://www.knuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

------- o --------

https://www.knuonline.com